सत्र 2025– 26 में मीडिया एवं जनसंपर्क कमेटी द्वारा विश्वविद्यालयीन गतिविधियों में सहभागिता व विभिन्न मीडिया संस्थानों के लिए न्यूज कवरेज (नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक की गतिविधिया)

उपस्थिति: नवा रायपुर में लगे स्टॉल में विवि के कुलपति भी आम लोगों से हुए रूबरू

विवि की उपलब्धियों को देख रहा पूरा प्रदेश, राज्योत्सव में सराहे गए

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025 में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय को भी अपना प्रदर्शनी स्टॉल लगाने का अवसर मिला है। उच्च शिक्षा विभाग के डोम में प्रदेश के विभिन्न शासकीय व अशासकीय विश्वविद्यालयों के लगे प्रदर्शनी में शमक विवि की गुणवत्ता को अभिव्यक्त करने वाली एकेडमिक प्रदर्शनी को जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व दर्शकों से प्रशंसनीय सराहना मिल रही हैं। रविवार को कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भी विवि के स्टॉल का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान प्रो श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ राज्य के एकमात्र मेरु दर्जा प्राप्त अपने विश्वविद्यालय की विशेषताओं से लोगों को अवगत कराया। मेरु विश्वविद्यालय के तहत बस्तर विश्वविद्यालय में एक साथ एक ही जगह पर बहुविषयी शिक्षा और रिसर्च सेंटर को बढ़ावा मिलने की जानकारी से लोग प्रभावित भी हो रहे हैं। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि जनजातीय क्षेत्र में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा व्यवस्था से केवल बस्तर संभाग ही नहीं बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ को लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित आईआईसी और आई.एसएफ के उद्देश्यों को भी बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय टीम के समन्वयक डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. भुवनेश्वर लाल साहू, डॉ. रवींद्र कुमार यादव, डॉ. कृष्ण कुमार वर्मा, डॉ. लखन लाल विश्वकर्मा, देवेन्द्र यादव उपस्थित थे।

जगदलपुर. राजधानी रायपुर में हुए राज्योत्सव में पहुंचे विवि प्रतिनिधि।

उच्च शिक्षा को और मजबूत बनाने पर विमर्श

कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने उच्च शिक्षा द्वारा लगाए गए राज्य से सभी विश्वविद्यालय से आए प्रतिनिधियों से भेंट मुलाकात की और उच्च शिक्षा के क्षेत्र को और भी मजबूत बनाने पर चर्चा की। कुलपति महोदय ने पुलिस विभाग द्वारा लगाई गई भारतीय न्याय संहिता की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और माननीय आईजी, डीआईजी एवं डीएसपी, सी.आई.डी. अधिकारी से मिलकर नए कानून व्यवस्था की बारीकियों पर विचार साझा किया। भारतीय न्याय संहिता के बारे में विश्वविद्यालय के छात्रों एवं अध्यापकों को विस्तृत जानकारी साझा करने और व्याख्यान के संबंध में चर्चा की।

साफ-सफाई कार्यक्रम आयोजित

स्वच्छता हमारे चरित्र की पहचान, इससे व्यक्तित्व निखरता है

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. समाज में स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूकता लाने के प्रयास के तहत सोमवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन में साफ-सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला के इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. स्वपन कोले ने कहा कि स्वच्छता न केवल हमारे शरीर का बल्कि हमारे चरित्र व समाज की पहचान है। यदि देश का हर नागरिक अपने आस-पास के परिवेश को साफ रखने का संकल्प ले तो भारत विश्व का सबसे स्वच्छ देश बन सकता है। एसोसिएट प्रो. डॉ. सुकृता तिर्की ने कहा कि स्वच्छता से स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। बीमारियों के संक्रमण से बचाव होता है। स्वच्छ वातावरण से मानसिक शांति भी मिलती है। अतिथि व्याख्याताओं में डॉ. शारदा देवांगन, डॉ. लखनलाल विश्वकर्मा, डॉ. प्रकाश और प्रयोगशाला तकनीशिन शोभाराम नाग ने भी विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करते हुए नए पौधे लगाने, कचरे के लिए डस्टबिन प्रयोग करने व कम से कम प्लास्टिक उपयोग करने की अपील की। कहा कि हम सभी को अपने घर के साथ-साथ गली, मोहल्ले, स्कूल इत्यादि को भी साफ सुथरा रखने में सहयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर पीएचडी शोधार्थी के अतिरिक्त एमए व एमएससी, बीए, बीएससी के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के करीग 38 विद्यार्थियों ने अकादमिक भवन के रूम, गैलरी इत्यादि में साफ-सफाई और गमलों में नए पौधे लगाने जैसे कई स्वच्छता कार्य में हाथ बंटाया।

शामक विवि में मानव विज्ञान पर सारगर्भित संगोष्ठी का हुआ आयोजन

बच्चों में माता-पिता के कई गुण होते हैं समाहित : सिकदार

संस्कृति निरंतर चलने वाली प्रक्रिया : डॉ शुभ्रा

डॉ. सुभ्रा बारिक ने कहा कि संस्कृति एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती है। कभी संस्कृति में व्यापक परिवर्तन होता है और कभी यह व्यवहार, परंपराओं या जानकारी के स्तर पर रूपांतरित होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज का विकास उसकी जनसंख्या संरचना, संसाधनों के उपयोग, पारिवारिक संरचना तथा सांस्कृतिक स्वरूप पर निर्भर होता है।

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला द्वारा शुक्रवार को "ह्यूमन ट्रेट्स एंड इनहेरिटेंस इन द वर्ल्ड ऑफ वेरियर एल्विन" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मिथुन सिकदार, सुपरिन्टेंडिंग एंथ्रोपोलॉजिस्ट एवं कार्यालय प्रमुख, मानव विज्ञान सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर तथा डॉ. सुभ्रा बारिक, मानव विज्ञान सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता डॉ. मिथुन सिकदार ने अपने उद्बोधन में मानव लक्षणों, वंशानुक्रम के प्रकार, एक ही जीन से उत्पन्न होने वाले गुण, वंशानुगत रोगों, तथा परिवार और समाज में गुणों के प्रसार जैसे अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि मनुष्य में पाए जाने वाले कई गुण माता-पिता से संतान में विभिन्न तरीकों से पहुँचते हैं और यही प्रक्रिया जैविक विविधता एवं मानव विकास को निर्धारित करती है। उन्होंने यह भी बताया कि वंशानुक्रम केवल जैविक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण, समाज, परिवार और संस्कृति से प्रभावित होकर मनुष्य के व्यक्तित्व को आकार देती है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की, सह प्राध्यापक, मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला ने स्वागत उद्बोधन में विषय की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य वक्ताओं के मानव विज्ञान के क्षेत्र में योगदान को रेखांकित किया।

दैनिक भास्कर
बस्तर भास्कर 21-12-2025

स्टूडेंट विजिट • छात्र पहुंचे भास्कर कार्यालय, विभिन्न विभागों के काम की ली जानकारी

बस्तर विवि के पत्रकारिता के छात्रों ने समझा, कैसे बनाया जाता है अखबार

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

बस्तर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के छात्रों ने दैनिक भास्कर कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान छात्रों को अखबार के विभिन्न विभागों और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्रों ने जाना कि अखबार कैसे बनता है और विभिन्न विभाग किस तरह मिलकर काम करते हैं।

पत्रकारिता विभाग की प्रो. डॉ. प्रज्ञा गुप्ता छात्रों के साथ मौजूद रहीं। छात्रों को स्टेट एडिटर (ईएमएम) परीक्षित त्रिपाठी, ब्यूरो चीफ मो. इमरान नेवी, सीनियर रिपोर्टर ऋषि भटनागर, मार्केटिंग हेड सुब्रजीत मजूमदार और सर्कुलेशन हेड महावीर मिश्रा ने अखबार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इस दौरान छात्रों को बताया गया कि खबर कैसे तैयार होती है, रिपोर्टर किस तरह रिपोर्टिंग करते हैं और संपादक किस तरह खबर का चयन कर उसे प्रकाशित करने के लिए तैयार करते हैं। इसके साथ ही छात्रों को यह भी समझाया गया कि विज्ञापन कैसे डिजाइन और तैयार किए जाते हैं, और मार्केटिंग टीम किस तरह विज्ञापन दाताओं से संपर्क करती है। सर्कुलेशन विभाग के महावीर मिश्रा ने छात्रों को बताया कि अखबार छपने के बाद किस तरह वितरण की प्रक्रिया होती है और विभिन्न इलाकों में कैसे अखबार समय पर पाठकों तक पहुंचाया जाता है। छात्रों ने अखबार के न्यूज रूम का भी दौरा किया, जिससे उन्हें वास्तविक कार्यप्रणाली देखने का अवसर मिला। छात्रों ने कहा कि यह दौरा उनके लिए बेहद शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने सीखा कि एक अखबार केवल खबरों का संग्रह नहीं, बल्कि टीमवर्क और प्रक्रियाओं का संयोजन होता है।

पत्रकारिता डिपार्टमेंट के छात्रों के साथ चर्चा करते हुए स्टेट एडिटर (ईएमएम) परीक्षित त्रिपाठी व अन्य।

इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग की प्रो. डॉ. प्रज्ञा गुप्ता ने कहा कि वास्तविक अनुभव छात्रों के लिए कक्षा की पढ़ाई को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। ऐसे दौरे से पत्रकारिता के छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान, इंडस्ट्री समझ और भविष्य की तैयारी में मदद मिलती है। दैनिक भास्कर के अधिकारियों ने छात्रों को आश्वस्त किया कि वे अपने करियर में सीखने और अनुभव लेने के लिए ऐसे मौके हमेशा तलाशते रहें। इस दौरे के माध्यम से छात्रों ने न केवल अखबार का कामकाज समझा बल्कि पत्रकारिता के वास्तविक पेशे से भी रूबरू होने का अवसर प्राप्त किया।

नियद नेल्लानार गांव में डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार की नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने

- **शमक विवि ने बीजापुर के सुदूर क्षेत्रों में शुरू किया मोबाइल बैंकिंग प्रशिक्षण**

महत्वपूर्ण पहल की है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की कम्प्यूटर अनुप्रयोग अध्ययनशाला द्वारा बीजापुर जिले के गंगालूर तहसील अंतर्गत पदेड़ा, चेरपाल और पालनार गांवों में डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों, स्व सहायता समूह की सदस्यों, स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीण बैंक पेशेवरों को डिजिटल भुगतान प्रणाली का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को सुरक्षित डिजिटल लेन-देन, मोबाइल बैंकिंग एप्स के उपयोग, यूपीआई से राशि ट्रांसफर, साइबर फ्रॉड से बचाव, पिन व ओटीपी की गोपनीयता जैसे विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान करने के साथ-साथ स्वयं क्यूआर कोड जनरेट करने की प्रक्रिया भी सिखाई गई, जिससे ग्रामीण स्तर पर कैशलेस लेन-देन को बढ़ावा मिल सके।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि डिजिटल बैंकिंग से न केवल समय और संसाधनों की बचत होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक पारदर्शिता और आत्मनिर्भरता को भी बल मिलेगा। आगामी चरण में नियद नेल्लानार ग्रामों की महिलाओं के लिए विशेष और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक महिलाओं को डिजिटल भुगतान प्रणाली से जोड़ने की योजना है। समाचार के अंतिम पैरा में कार्यक्रम से जुड़े प्रमुख पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं परियोजना विवरण का उल्लेख किया गया। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति (कुलपति) प्रो एमके श्रीवास्तव, कम्प्यूटर अनुप्रयोग अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष व परियोजना प्रधान अन्वेषक (विभागाध्यक्ष) डॉ. तेज बहादुर चन्द्रा, सह-प्रधान अन्वेषक (सहायक प्राध्यापक) राजेश्वरी नेताम, सामाजिक कार्य विभाग (सहायक प्राध्यापक) डॉ डिगेश्वर साहू, पदेड़ा ग्राम सरपंच मंजू कुंजाम, पालनार ग्राम सरपंच मालती ताप्ती, चेरपाल ग्राम की सरपंच सावित्री सहित एनआरएलएम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय के यूजी-पीजी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की सराहना

जगदलपुर। शमक विवि में एसीई-यूनिसेफ के तत्वावधान में मंगलवार को हैकाथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन रही। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े व्यावहारिक समाधान विकसित करना था। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं यूनिसेफ के डीआरआर अधिकारी विशाल वासवानी, स्टेट कंसल्टेंट आशीष कुमार, एसीई के सचिव महेश अग्रवाल एवं विवि के सहायक कुलसचिव देवचरण गावड़े की उप स्थिति में विवि के विद्यार्थियों के अपशिष्ट प्रबंधन को सराहना मिली।

प्रशिक्षण : आईआईटी भिलाई, बस्तर विवि के संयुक्त तत्वावधान में मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला कल से

बस्तरिया महिलाओं को लासएंजिल्स के प्रोफेसर सिखाएंगे मार्केटिंग

कुम्हरावंड में आयोजन, संभाग भर से स्वसहायता समूह की 395 महिलाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर बस्तर में घर- परिवार के साथ ही बाजार में कारोबार करने वाली महिलाएं ग्रामीण व शहरी अर्थ व्यवस्था की रीढ़ हैं। पीढ़ियों से महिलाएं यह कार्य बखूबी करती आ रही हैं। इसे सामाजिक स्वीकार्यता भी है। बस्तर के सभी साप्ताहिक हाट-बाजार में महिलाएं दुकान संभालती आसानी से दिख जाती हैं। अब इन महिलाओं के परंपरागत ज्ञान को साक्षरता का जामा पहनाने की कोशिश आईआईटी भिलाई व बस्तर विश्वविद्यालय ने करने की ठानी है। इनका सहयोग करने के लिए यूएसए से प्रोफेसर भी बस्तर पहुंच रहे हैं।

संभाग भर की 395 महिला स्वसहायता समूह की सदस्यों को लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, लांस एंजिल्स, अमेरिका के कॉलेज ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मार्केटिंग विभाग के प्रोफेसर मधु विश्वनाथन प्रशिक्षण देंगे। प्रो मधु विश्वनाथन इन महिलाओं को मार्केटप्लेस साक्षरता विषय पर जरूरी ज्ञान देंगे। प्रो मधु ने बताया कि यह आयोजन महिलाओं को सशक्त व स्वावलंबी बनाने एवं उन्हें बाजार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है। समूह के सदस्यों में बाजार प्रक्रिया को लेकर जागरूकता लाने, उपभोक्ता संबंधी निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने और उनमें उद्यमशीलता को मजबूत करने प्रशिक्षण दिया जाएगा।

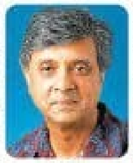

प्रो मधु विश्वनाथन

दो दिवसीय मार्केट संबंधी प्रशिक्षण लेंगी महिलाएं

आईआईटी भिलाई एवं शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 23 एवं 24 दिसंबर को शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय, कुम्हरावंड के ऑडिटोरियम में का आयोजन रखा गया है। उद्घाटन सत्र 23 जनवरी को सुबह साढ़े नौ बजे से प्रारंभ होगा। प्रथम सत्र के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रोफेसर मधु विश्वनाथन उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश, वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप, छग राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, रायपुर के निदेशक अश्वनी देवांगन, स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत समन्वयक जगदीश पटेल, विभाग प्रचारक यज्ञ सिंह, विवि कार्यपरिषद सदस्य राजीव शर्मा उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. एमके श्रीवास्तव करेंगे।

सांस्कृतिक दल अपनी प्रस्तुतियां देंगे

इसमें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संकुलस्तरीय पदाधिकारी एवं उद्यमिता से जुड़े कैडर भी भाग लेंगे। समन्वयक डॉ. तुलिका शर्मा, रश्मि देवांगन, विष्णु वैभव द्विवेदी ने बताया कि प्रशिक्षण में बस्तर, कोंडागांव व कांकेर संभाग से 70-70, सुकमा, दंतेवाड़ा व बीजापुर से 50-50 और नारायणपुर से 35 स्व सहायकता समूह की महिलाएं शामिल होंगी। अलग अलग कालेज से आए हुए सांस्कृतिक दल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यशाला में सुदूर क्षेत्र से आने वाली सभी महिलाओं के ठहरने व खान-पान की सुविधा शमक विश्वविद्यालय द्वारा की गई है।

बस्तर की महिलाओं को मिलेगा बाजार की समझ का नया मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

बस्तर अंचल की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। आईआईटी भिलाई एवं शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 23 और 24 दिसंबर को शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय, कुम्हरावंड के ऑडिटोरियम में मार्केटप्लेस साक्षरता विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में बस्तर संभाग के सातों जिलों से चयनित स्वसहायता समूहों की 395 महिलाएं भाग लेंगी। उद्घाटन सत्र 23 दिसंबर को सुबह 9:30 बजे प्रारंभ होगा। प्रथम सत्र के मुख्य प्रशिक्षक लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स अमेरिका के कॉलेज ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मार्केटिंग विभाग के प्रोफेसर मधु विश्वनाथन रहेंगे। कार्यक्रम में आईआईटी भिलाई के निदेशक शैक्षणिक प्रो राजीव प्रकाश,वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निदेशक प्रशासन अश्वनी देवांगन,स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत समन्वयक जगदीश पटेल,विभाग प्रचारक संगठन यज्ञ सिंह तथा विवि कार्यपरिषद् सदस्य शिक्षा राजीव शर्मा की उपस्थिति रहेगी। अध्यक्षता कुलपति शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय प्रो एमके श्रीवास्तव करेंगे।

आईआईटी भिलाई व कर्मा विवि की पहल, 395 स्वसहायता समूह महिलाएं होंगी सशक्त

उद्यमिता से जुड़े कैडर भी भाग लेंगे

इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े संकुलस्तरीय पदाधिकारी एवं उद्यमिता से जुड़े कैडर भी भाग लेंगे। कार्यशाला के दौरान महिलाओं को यह बताया जाएगा कि वे अपने उत्पादों की पहचान कैसे बनाएं, उपभोक्ताओं की जरूरतों को कैसे समझें और बाजार में प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी जगह कैसे सुनिश्चित करें। सुदूर ग्रामीण अंचलों से आने वाली महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ठहरने एवं खान-पान की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे वे पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

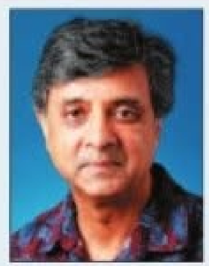

मार्केट से सीधे जोड़ने पर जोर

कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को बाजार की कार्यप्रणाली, उपभोक्ता व्यवहार,मूल्य निर्धारण,उत्पाद प्रस्तुति और निर्णय क्षमता से परिचित कराना है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिला समूहों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और उन्हें बाजार से सीधे जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा। यह कार्यक्रम केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से महिलाओं को बाजार की वास्तविक चुनौतियों और अवसरों को समझाया जाएगा।

बस्तर विश्वविद्यालय की पहल • महिलाओं के लिए दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला का होगा आयोजन

विशेषज्ञों से बिजनेस सीखेंगी 300 आदिवासी महिलाएं

भास्कर न्यूज़ | जगदलपुर

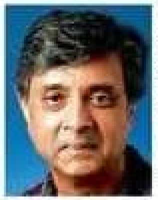

मधु विश्वनाथन

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बस्तर विश्वविद्यालय द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। अमेरीका ओर भिलाई यूनिवर्सिटी के संयुक्त प्रयास से यूनिवर्सिटी में अमेरिकी विशेषज्ञ बस्तर की 300 आदिवासी महिलाओं को बिजनेस के गुर सिखाएंगे।

इसके तहत विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 23 और 24 दिसंबर को दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में आईआईटी भिलाई तकनीकी और अकादमिक सहयोगी की भूमिका निभा रहा है।। यह कार्यशाला सुबह 9:30 बजे से शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कुम्हरावंड जगदलपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित होगी। बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य बस्तर की आदिवासी महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न रखकर उन्हें व्यवहारिक ज्ञान और बाजार की समझ से सशक्त बनाना है। अमेरिका के विशेषज्ञों और आईआईटी भिलाई के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, छोटे व्यवसाय शुरू करने और उन्हें सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यशाला में बस्तर संभाग के सात जिलों से चयनित 300 आदिवासी महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें विशेष रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनएलआरएम) से जुड़ी महिलाओं को शामिल किया गया है। आईआईटी भिलाई और अमेरिका की लॉयला मेरीमाउंट यूनिवर्सिटी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिक्षाविद प्रो. मधु विश्वनाथन मुख्य प्रशिक्षक के रूप में शामिल होंगे। वे महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने, उसे बाजार से जोड़ने और सफल बनाने के व्यावहारिक बिजनेस गुर साझा करेंगे।

एनएलआरएम में पहली बार ट्रेनिंग पर जोर

अब तक एनएलआरएम से जुड़ी महिलाओं को व्यवसाय के लिए केवल आर्थिक सहायता दी जाती थी, लेकिन व्यवसायिक प्रशिक्षण नहीं दिया जाता था। बस्तर विश्वविद्यालय की इस पहल के जरिए महिलाओं को पैसे के साथ-साथ ज्ञान और कौशल भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं में बाजार और विपणन की समझ, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता, छोटे व्यवसाय और उद्यमिता को बढ़ावा देना और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।

अमेरिका के विशेषज्ञ देंगे व्यावसायिक प्रशिक्षण

कार्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें अमेरिका के विशेषज्ञ आदिवासी महिलाओं को व्यवसाय से जुड़ी व्यावहारिक ट्रेनिंग देंगे। महिलाओं को बाजार की समझ, विपणन कौशल, ग्राहक व्यवहार, मूल्य निर्धारण और छोटे व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित करने के गुर सिखाए जाएंगे। यह कार्यशाला मार्केटप्लेस लिटरेसी प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित की जा रही है, जिसमें लॉयला मेरीमाउंट यूनिवर्सिटी (यूएसए) के डीके किम फाउंडेशन बिजनेस फॉर गुड प्रोग्राम का सहयोग प्राप्त है।

सीमित बाजार की समस्या से जूझ रहा बस्तर : कुलपति

शमक विश्वविद्यालय में दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

बस्तर संभाग की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को बिजनेस के व्यापक पक्षों की जानकारी देने दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला मंगलवार को प्रारंभ हुआ। शहीद महेंद्र कर्मा विवि एवं आईआईटी भिलाई की ओर से शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस वर्कशॉप में संभाग के करीब 400 स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप, मुख्य प्रशिक्षक लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, लांस एंजिल्स, अमेरिका के कॉलेज ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मार्केटिंग विभाग के प्रोफेसर मधु विश्वनाथन एवं कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे। अपने स्वागत उद्बोधन में प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि यह कार्यशाला एक अभियान की तरह है जो बस्तर की महिलाओं को सशक्त बनाने व उनमें आत्मविश्वास जागरित करने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर सीमित बाजार से जूझ रहा है। यहां केवल उत्पादन ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि लोगों को सही बाजार, सही दाम जैसे व्यवसायिक पक्षों की जानकारी होना जरूरी है। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन के लिए आयोजित इस कार्यशाला की सराहना प्रदेश शासन के कई मंत्री महोदय ने की है। बस्तर संभाग के सभी जिले को देश के विकसित जिले में शामिल करने लिए यह कार्यशाला महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम में विभाग प्रचारक यज्ञ सिंह, आयोजन के संयोजक डॉ. तुलिका शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे। आईआईएम अहमदाबाद के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अरूण श्रीकुमार ने कहा कि आप सभी नव उद्यमी बनकर ग्राहकों की समस्या का निदान कर सकते हैं। आप अपने स्थानीय बाजार के अवसर और मार्केटिंग को समझकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कस्टमर की मांग को पूरा कर सकते हैं। संचालन डॉ रश्मि देवांगन ने किया व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी ने दिया।

तीखुर की आइस्क्रीम का हो सकता है बड़ा बाजार

मुख्य अतिथि वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वस्तु विनिमय के आधार पर जीवन संचालन की व्यवसायिक परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर की जो परंपरागत चीजें हैं उसे हम बड़ा व्यापारिक स्वरूप व मॉडल दे सकते हैं। यहां के तीखुर के आईसक्रीम का बड़ा बाजार हो सकता है। श्री कश्यप ने कहा कि हम सभी को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ना है ताकि दुनिया के लोग बस्तर आएं और बस्तर का नाम दुनिया में प्रतिष्ठित हो।

बस्तर की महिलाएं मेहनती व जुझारू

आईआईटी भिलाई के मुख्य तकनीकी अधिकारी विष्णु वैभव द्विवेदी ने कहा कि बस्तर की स्वसहायता समूह की महिलाएं मेहनती एवं जुझारू हैं। यह प्रशिक्षण एक दीर्घकालिक निवेश है। इससे उन्हें बाजार को समझने की ताकत मिलेगी। श्री द्विवेदी ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से स्वरोजगार संबंधी छोटे-छोटे सपनों को साकार करने की आकांक्षी महिलाओं को ग्राहक की सोच, प्रोडक्ट की कीमत, मुनाफा, नुकसान समझने का मौका मिलेगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई
Indian Institute of Technology Bhilai
Loyola Marymount University
D.K. Kim Foundation
Business for Good Program
मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला
विशेषज्ञ / प्रशिक्षक
प्रो. मधु विश्वनाथन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई
Indian Institute of Technology Bhilai
मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला
Loyola Marymount University

शहीद गुण्डाधूर कृषि महाविद्यालय एवं
अनुसंधान केन्द्र, जगदलपुर
आपका हार्दिक स्वागत करता है।
EXIT

आयोजनः एसएचजी ने अपने बिजनेस आईडिया को दिए शब्द और चित्र, दो-दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

गांव में जाकर महिलाएं देंगी मार्केटप्लेस की ट्रेनिंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. आईआईटी भिलाई और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला का समापन बुधवार को हुआ। कृषि महाविद्यालय, के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला के अंतिम दिन प्रशिक्षण ले रहीं स्वसहायता समूह की महिलाओं ने ग्रुप बनाकर अपने-अपने बिजनेस आईडिया को लेकर संचार चित्र बनाए। ड्राइंग शीट पर बनाए मॉडल में महिलाओं ने बस्तर में कई प्रकार के ग्रामीण स्टार्टअप प्रारंभ किए जाने की संभावनाओं की नई जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रतिभागियों ने व्यवसाय में व्यवहार और सिद्धांत के आधार पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए को लेकर सूची बनाई। अपने बिजनेस व प्रोडक्ट को लेकर चित्र, डिजाईन और संदेश बनाए। कार्यशाला में एनआरएलएम व एसएलआरएम से जुड़ी बस्तर संभाग के 400 स्वसहायता समूह की महिलाओं ने पूरे मनोयोग से व्यवसायिक बारीकियों को समझा।

इस दौरान प्रमुख रिसोर्स पर्सन लांस एंजिल्स, अमेरिका के लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी के प्रो. मधु विश्वनाथन ने बताया कि बिजनेस में ग्राहक बहुत महत्वपूर्ण होता है। एक लाभदायी व्यवसाय के लिए ग्राहक को समझना बहुत जरूरी है। जब आप अपने व्यवसायिक लेन-देन में ग्राहक के प्रति ईमानदार होते हैं और ग्राहक के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, उन्हें धोखा नहीं देते हैं तो ग्राहक एक बार ही प्रोडक्ट का मूल्य नहीं देते बल्कि वे आप पर विश्वास कर आगे भी जुड़े रहते हैं।

जगदलपुर. दो-दिवसीय कार्यशाला के समापन पर अपने हुनर को दर्शाती महिलाएं।

बाजार को विकसित करने की समझ विकसित हुई

पत्रिका ने दो दिवसीय कार्यशाला में आई स्वसहायता समूह की महिलाओं से चर्चा की। इनमें नारायणपुर के ओरछा व सुकमा जिले के एर्राबोर जैसे अंदरुनी इलाकों से आई महिलाएं शामिल थीं। इन महिलाओं ने बताया कि कार्यशाला में आकर अपने अपने इलाके में बाजार व्यवस्था को विकसित करने का आइडिया मिला है। एर्राबोर की समूह ने डेयरी प्रोडक्ट की ओर ध्यान देने की सीख मिलने की जानकारी दी। अन्य समूहों ने विश्वविद्यालय से जुड़े रहने व सलाह लेने एक प्लेटफार्म की जरुरत पर बल दिया।

इन्होंने दिया सहयोग

कार्यशाला में एसएलआरएम के संयुक्त मिशन संचालक आरके झा, मनोज मिश्रा, नीलेश लाखेरानी, राजकुमार देवांगन, डॉ. तूलिका शर्मा, डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. दुर्गेश डिक्सेना, डॉ. तेजबहादुर चंद्रा, डॉ. डिगेश्वर साहू, डॉ. देवेंद्र मरावी, डॉ. कुश नायक, डॉ. नीरज कुमार वर्मा, डॉ अनुष्का आतरम एवं शिवम सोनवानी, आईआईटी भिलाई के मुख्य तकनीकी अधिकारी विष्णु वैभव द्विवेदी, मिस आंचल, शुभम एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संकुलस्तरीय पदाधिकारी एवं उद्यमिता से जुड़े कैडर ने सक्रिय सहभागिता दी। कार्यशाला का संचालन डॉ रश्मि देवांगन ने की।

दूसरे चरण में इन्वेस्टर्स को बुलाने की योजना

दो दिवसीय इस कार्यशाला में संभाग भर से आई हुई महिलाओं को एनएलआरएम और एसएलआरएम के माध्यम से सरकार ने आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने की जानकारी दी गई है। स्वसहायता समूह की महिलाओं के व्यवसायिक दृष्टिकोण से स्थानीय व्यवसाय को उल्लेखनीय उन्नति मिलेगी। विवि की कोशिश है कि आने वाले समय में इनके प्रोडक्ट को राज्य व अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने बड़े इन्वेस्टर्स को आमंत्रित करेंगे। -**प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव**, कुलपति

बस्तर का देशज ज्ञान नेचुरल साइंस जितना ही अमूल्य : डॉ. लिडिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हैब लिडिया गूजी ने कहा कि

- विविध जनजातीय समाज भारत की बड़ी ताकत
- प्रकृति और जनजीवन के सहअस्तित्व का जीवंत उदाहरण

नेचुरल साइंस की तरह बस्तर का देशज ज्ञान भी अत्यंत अमूल्य है। बस्तर के नृत्य, गायन, कला और परंपराओं में अद्भुत विविधता देखने को मिलती है और यहां की जनजातीय संस्कृति वास्तव में गर्व करने योग्य है। उन्होंने कहा कि भारत में विविध जनजातीय समाज का होना देश के लिए सौभाग्य की बात है।

वे सोमवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला में आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। अपने 15 वर्षों के शोध अनुभव साझा करते हुए डॉ लिडिया ने कहा कि बस्तर के जनजातीय जीवन और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच गहरा सहअस्तित्व है।

यहां जनजातीय समाज में पर्यावरण संरक्षण जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है, जहां विविधता के साथ-साथ सामाजिक एकता भी दिखाई देती है। डॉ. लिडिया ने कहा कि औद्योगिक विकास आवश्यक है, लेकिन विकास के साथ मानवीय मूल्यों और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। बस्तर का समाज शांतिपूर्ण जीवन, सामूहिकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

इस अवसर पर इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक की प्रो रंजू हाषिनी साहू ने बस्तर की संस्कृति की विशिष्टताओं और उसमें आ रहे परिवर्तनों पर विचार रखे। वहीं एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जगदलपुर इकाई के निदेशक डॉ पीयूष रंजन साहू ने बस्तर की संस्कृति पर प्रभावी लेखन की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यहां की गोत्र व्यवस्था पारिस्थितिकी से जुड़ी हुई है, जो प्रकृति और संस्कृति के सुंदर समन्वय को दर्शाती है। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष (मानव विज्ञान) प्रो स्वपन कुमार कोले ने दिया,जबकि आभार प्रदर्शन सह प्राध्यापक डॉ सुकृता तिर्की ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया। व्याख्यान में एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक डॉ सुबेंदु पात्रा, ग्रीस से आए शोधार्थी निकोलस पेपेंड्रयू,अतिथि व्याख्याता डॉ सोहन कुमार मिश्रा,डॉ शारदा देवांगन सहित शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान के प्रमुख बिंदु

बस्तर का जनजातीय समाज प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का उदाहरण है,जहां पर्यावरण संरक्षण,सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विविधता साथ-साथ विकसित हुई है।औद्योगिक विकास आवश्यक है,लेकिन मानवीय संवेदनाओं और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण के साथ संतुलित विकास ही भविष्य का मार्ग है।

जनजातीय संस्कृति व पारंपरिक ज्ञान अमूल्य: डॉ. गूज़ी

बस्तर विश्वविद्यालय की मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला में आयोजित हुआ विशेष व्याख्यान

भास्कर न्यूज़ | जगदलपुर

बस्तर की जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, नृत्य, गायन और कला पूरी दुनिया के लिए सीख का विषय हैं। भारत में विविध जनजातीय समाज का होना हमारे देश की बड़ी ताकत है। यह विचार नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हैब लिडिया गूजी ने व्यक्त किए।

वह बस्तर विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला में आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। डॉ. लिडिया ने भारत और बस्तर की जनजातीय संस्कृति को समझने के अपने 15 वर्षों के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि बस्तर में जनजातीय जीवन और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच गहरा और स्वाभाविक संबंध है। यहां का समाज प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर जीवन जीता है। जंगल, जल और जमीन उनके सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार हैं। यही कारण है कि जनजातीय समाज में पर्यावरण संरक्षण एक स्वाभाविक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता है।

जगदलपुर। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रो. डॉ. हैब लिडिया गूजी।

कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. स्वपन कुमार कोले के स्वागत उद्बोधन से हुई। सह प्राध्यापक डॉ. सुकृता तिर्की ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया।

उन्होंने कहा कि बस्तर का जनजातीय समाज विविधताओं से भरा हुआ है, लेकिन इसके भीतर एकता की भावना मजबूत है। यहां के लोग सामूहिक जीवन जीते हुए एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। डॉ. लिडिया ने कहा कि औद्योगिक विकास जरूरी है, लेकिन विकास की प्रक्रिया में मानवीय मूल्य, पर्यावरण और स्थानीय संस्कृति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

डॉ. लिडिया ने कहा कि बस्तर का जनजातीय समाज प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा मानता है। जंगल, नदियां और पहाड़ उनके सामाजिक ढांचे से जुड़े हैं। यही कारण है कि पर्यावरण संरक्षण यहां किसी नियम से नहीं, बल्कि परंपरा से जुड़ा हुआ है। व्याख्यान में डॉ. लिडिया ने कहा कि औद्योगिक विकास समय की जरूरत है, लेकिन विकास की दौड़ में मानवीय संवेदनाएं और स्थानीय संस्कृति को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। संतुलित विकास ही समाज को आगे ले जा सकता है।

गंभीर शोध और प्रभावी लेखन की जरूरत: डॉ. साहू

एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जगदलपुर इकाई के निदेशक डॉ. पीयूष रंजन साहू ने कहा कि बस्तर की संस्कृति को समझने और सामने लाने के लिए गंभीर शोध और प्रभावी लेखन की जरूरत है। बस्तर की गोत्र व्यवस्था पारिस्थितिकी से जुड़ी हुई है, जो प्रकृति और संस्कृति के संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण है। बस्तर की संस्कृति समय के साथ बदल रही है, लेकिन इसकी जड़ें आज भी मजबूत हैं।

बस्तर की सांस्कृतिक पहचान आज भी मजबूत

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक की प्रो. रंजू हाषिनी साहू ने बस्तर की संस्कृति की विशेषताओं व उसमें आ रहे सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तनों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के प्रभाव के बावजूद बस्तर की सांस्कृतिक पहचान आज भी मजबूत बनी हुई है।

सुविधा | **शमक विवि में डाक विभाग ने आधार कार्ड शिविर लगाया**

विश्वविद्यालय में कराए आधार अपडेट से जुड़े काम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शनिवार को भारतीय डाक विभाग द्वारा आधार नामांकन एवं सुधार के लिए एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सौ से अधिक विद्यार्थी एवं ग्रामीण लाभान्वित हुए। शिविर में विद्यार्थियों ने जहां नाम, सरनेम, पता, बायोमैट्रिक, मोबाईल नंबर इत्यादि में सुधार कराए वहीं आसपास के कई ग्रामीणों ने छोटे बच्चे के लिए नवीन आधार के लिए नामांकन कराए। शनिवार को आधार सुधार के लिए पहुंचे आवेदकों की संख्या अधिक होने के कारण जिनका अपडेट नहीं हो पाया वे रविवार को आकर सुधार करा सकेंगे। उनके लिए शिविर एक दिवस के लिए बढ़ाया गया है।

जगदलपुर. आधार कार्ड अपडेट करवाने के लिए जुटे विद्यार्थी व मौजूद डाक विभाग के लोग।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों में विद्यार्थियों को आधार संबंधी परेशानियों से बचाने के लिए यह विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय डाक विभाग की विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। युवाओं को पार्सपोर्ट के लिए आवेदन करने और उसे सत्यापित करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। इस अवसर पर डाकघर, बस्तर संभाग के अधीक्षक मो. नियाजुद्दीन, विकास अधिकारी तरूण सारथी, विवि कम्प्यूटर अध्ययनशाला के हेड डॉ. तेज बहादुर चंद्रा, सहायक प्राध्यापक डॉ. राजेश्वरी नेताम सहित अन्य उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में उमंग खेल स्पर्धा प्रारंभ

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विवि में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्राध्यापकों के लिए प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले खेल स्पर्धा उमंग 2026 सोमवार को प्रारंभ हुआ। उद्घाटन के अवसर पर कुलपति इलेवन और कुलसचिव इलेवन के बीच प्रदर्शन क्रिकेट मैच खेला गया। इस आयोजन में क्रिकेट के अलावा शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हैंडबॉल एवं कैरम खेल आयोजित होंगे।

महिलाओं को दिया ट्रेनिंग

डिजिटल व मोबाइल बैंकिंग पर जागरूकता शिविर आयोजित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीजापुर. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के तत्वावधान में बीजापुर जिले के ग्राम चेरपाल में मंगलवार को डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग विषय पर विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चेरपाल, पदेड़ा एवं पलनार गांवों की 150 से अधिक महिलाओं ने भाग लेकर सुरक्षित डिजिटल लेन-देन की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में चेरपाल स्थित केनरा बैंक के शाखा प्रबंधक दीपक कुंजाम, कस्टमर एसोसिएट धारावत नरेश नायक तथा जगदलपुर से आए एक तकनीकी विशेषज्ञ उपस्थित रहे। अधिकारियों ने महिलाओं को डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग की महत्ता, उपयोग की प्रक्रिया, यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सुरक्षित पासवर्ड तथा ओटीपी की गोपनीयता के साथ-साथ साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कंप्यूटर अनुप्रयोग अध्ययनशाला एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीसीओएसटी), रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। परियोजना में डा तेजबहादुर चंद्रा, राजेश्वरी नेताम, डा डिगेश्वर साहू, संजय पांडेय ने सहयोग दिया। इसका उद्देश्य बस्तर क्षेत्र के नियद नेल्लानार ग्रामों की महिलाओं एवं स्व-सहायता समूहों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में ग्रामों के सरपंच, उप-सरपंच व सचिव उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग से ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण होगा। अंत में महिलाओं ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता की मांग की।

तारीख– 21 जुलाई 2026 मार्गदर्शक व विभागाध्यक्ष – डॉ. विनोद कुमार सोनी

संकलन कर्ता– निरंजन कुमार